

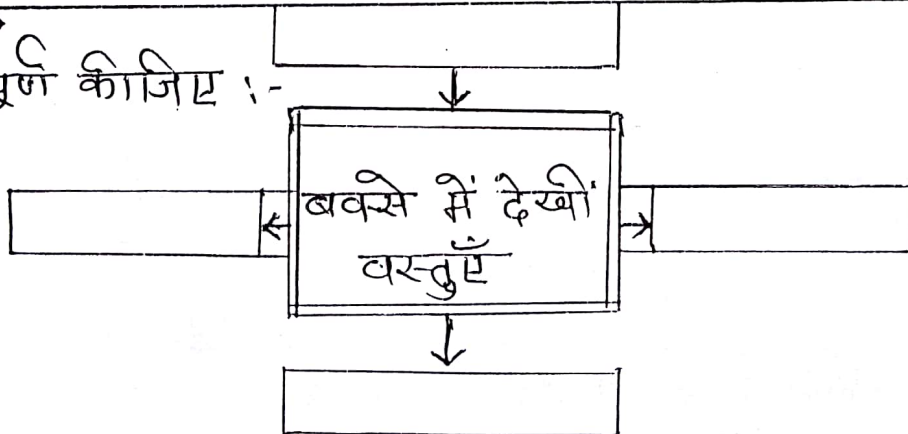
[विभाग 1- गद्य]

प्र. 1) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

आज शाम, वह बचपन के अपने कमरे में घुसा। लाइट ऑन की और कोने में रखे बक्से को और बढ़ गया। उसके बचपन का साथी - उसका प्यार, लकड़ी का बड़ा-सा बक्सा, वह जब भी यहाँ आता है, एक बार इस बक्से को जरूर खोलकर देखता है। सहज उत्सुकतावश उसने उसे खोला। छठी - सातवीं - आठवीं कक्षा के कौर्स की कुछ पुरानी किताबें, ज्यामितीय बॉक्स की सवासे तलवों के फुटबल बूज, एन. सी. सी. की एक्स्ट्रा ड्रेस, पुराना फोरो एबबम और भी जाने क्या-क्या। बार-बार देखने पर भी इन चीजों को देखने आने की इच्छा मरती नहीं है। तभी उसकी नजर एकाएक पॉलीथिन की एक थैली पर पड़ी।

कृति:-

(1) संज्ञा पूर्ण कीजिए :-



(2) गद्यांश में आए अंग्रेजी शब्द -

(1)

(2)

(3)

(4)

(3) 'बचपन की मेरी यादगार घटना' विषय पर अपने विचार (2) लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

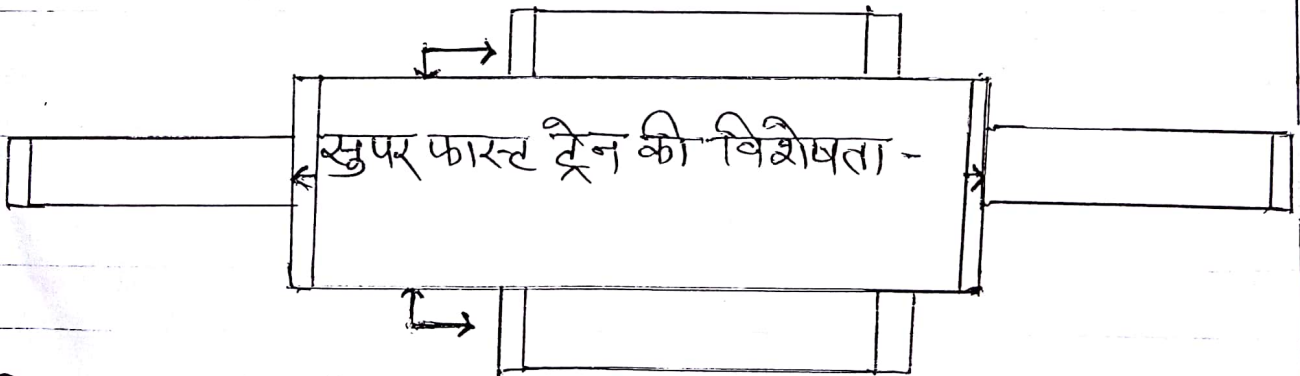
मुझे सुपरफास्ट ट्रेन के बजाय एक्सप्रेस से यात्रा करना ज्यादा पसंद है। कारण सुपरफास्ट ट्रेन का स्वभाव उस विशिष्ट व्यक्ति की तरह होता है जो रास्ते में मिलने वाले बराबरीवालों की उपेक्षा कर, बड़ों से मिलने दौड़ा जाता है। उसे आदमी से अधिक अपनी चाल पर भरोसा होता है जब कि एक्सप्रेस एक कोरत की तरह दूर से स्टेशन देखकर अपनी चाल धीमी कर देती है, सबको अपने हृदय में स्थान देती है और जब चलती है तो इस कदर धीरे जैसे कोई एक मित्र दूसरे मित्र से विदा ले रहा हो।

अपने को तो भाई साहब, रेल की खिड़की से दुनिया देखने में बड़ा मजा आता है, ऐसे लगता है जैसे शीशे में से डिब्बे वाला बाइर कोप देख रहे हों।

कृति :- संजालपूर्ण कीजिए :-

(1)

(2)



(2) दिए गए शब्दों से कृत शब्द बनाइए :-

(1)

(1) दौड़ना :- (2) चलना :-

(2) शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए :-

(1)

(1) प्रश्न :- (2) सीधा :-

[3] वस यात्रा की कहानियों के बारे में अपने विचार लिखिए। - (2)

[विभाग 2-पद्य]

प्र.2.3) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पेयी को छाया नहीं, फल लागें भति दूर ॥
शिष को ऐसा चाहिए, गुरु को सब कुछ देय,
गुरु को ऐसा चाहिए, शिष से कुछ नहीं लेय ॥
कान्हिरा संगत साधु की, ज्यों गांधी की बास।
जो कुछ गांधी दे नहीं, तो भी बास सुबास ॥

कृति पूर्ण कीजिए :-

(1)

ऐसा चाहिए → शिष्य :- _____
→ गुरु :- _____

(2)

(2) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द लिखिए :-

(1)

(1) पास :- (2) छोटा :-

(3) 'हमारे मित्र हमारी पहचान' विषय पर अपने विचार लिखिए। (2)

आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) संज्ञा पूर्ण कीजिए :-

(2)

कर्मवीर - सपूतों के कारण यह हुआ -

(P.T.O)

प्र. 2
(आ)

- पद्योंशः -

काम्यफल को वे कभी नहीं पूछते, वह है कहाँ,
कर दिखाते हैं असंभव को वही संभव यहाँ,
उलझने आकर उन्हें पड़ती है जितनी ही जहाँ,
वे दिखाते हैं नया उल्साह उतना ही वहाँ।
सब तरह से आज जितने देश हैं फूले-फूले,
बुद्धि-विद्या, धन-विभव के हैं जहाँ डेरे डले,
वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले,
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले।

(2) पद्योंश में प्रयुक्त उपसर्ग वाले शब्द ढूँढकर लिखिए तथा उपसर्ग और शब्द अलग-अलग लिखिए :- (कोई-1)

[1]

(1) शब्द -

उपसर्ग -

मूलशब्द -

(2) शब्द -

उपसर्ग -

मूलशब्द -

[3] 'अम का महत्व' के बारे में अपने विचार लिखिए।

[2]

विभाग 3- भाषा अध्यायन (व्याकरण)

प्र. 3 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द ढूँढकर लिखिए।

[1]

(1) मसतक / मरुथक / मस्तक

(2) पथ्थर / पथतर / पत्थर

[2] निम्नलिखित अव्यय का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

[1]

(1) के समान ।

(प-त-8)

उपकरण

- (3) (1) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (1)
- (2) मुझे देखते ही चाय हाथिर कर देती है। (पूर्ण वर्तमान काल) (1)
- (3) काल पहचान कर नाम लिखिए।
- (4) कहां तक चल रहे हैं? (2)
- (4) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
- 1) चक्कर काटना (2) चौपट हो जाना।

विभाग 4 :- उपयोजित लेखन

- प्र. 4. (1) फत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। (4)
- A-92, दिव्य लोक, सुभाष चौक, तिलकनगर, पुणे से साहिल देशपांडे पैड-पौधों की अनियंत्रित रूप से कटाई के लिए जिलाधीश महोदय, पुणे को फत्र लिखता है।

- (2) निम्नलिखित सुद्धों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उपरि उचित शीर्षक और सीख लिखिए। (4)

एक सुंदर वन

इंद्र का आगमन

वन का सौंदर्य देखना

खूबे पैड पर तैले को

देखना

सवाल पूछना

तैले का जवाब

इंद्र का वरदान

सीख।

अथवा

- प्र. 4. (2) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उन पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो।

झोंसी में अनेक रानियाँ हुई हैं, किंतु वे केवल झोंसी के राजा की रानियाँ थीं, झोंसी की नहीं। झोंसी की तो केवल एक ही रानी थी, जिसे लक्ष्मीबाई के नाम से पढ़े-लिखे लोग जानते हैं। वे भले ही उसे महारानी लक्ष्मीबाई

प्र० 4. 2. Ques:-

कै उदात्त नाम से पुकारें परंतु महारानी का उपयुक्त नाम 'इंजोसी की रानी' ही है। इसी नाम से उसके शत्रुओं ने उसे जाना, इसी नाम से उसे भारत वर्ष का बच्चा-बच्चा जानता है और इसी नाम से भारत की भावी सेतान भी उसे पहचानेगी।

प्र० 4. 3. निम्नलिखित विषयों पर 70 से 80 शब्दों में निबंध लिखिए। (कौई-1)

- (1) मेरा प्रिय खेल।
- (2) विज्ञान के चमत्कार।

* * *